

शरण में पड़ा हूँ माँ मुझको बचा ले भजन लिरिक्स



शरण में पड़ा हूँ माँ,
मुझको बचा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले।bd।

तर्ज - तुम्ही मेरे मंदिर।

अकेला हूँ मैया,
बड़ा घबराऊँ,
पराये जगत में माँ,
तुझे अपना पाऊँ,
चरणों में तेरे मैया,
मुझको बिठा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले।bd।

बेटे का रोना माँ,
सहने ना पाती,
झट दौड़ आती वो,
गले से लगाती,
नादान हूँ मैं मुझको,
गोदी उठा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले।bd।

करुणा की देवी,
करुणा दिखा दे,
तेरे 'हर्ष' के मैया,
दुखड़े मिटा दे,

पागल समझ के मुझको,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के सिर्फ अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



Bhajan Diary,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले।bd।

शरण में पड़ा हूँ माँ,
मुझको बचा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले,
आंचल में अपने,
मुझे तू छुपा ले।bd।

स्वर – सौरभ मधुकर जी।
